



Mr. Shradda sharma

02 Aug 2004

08:25 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 119438103

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 02/08/2004
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 08:25:00 घंटे
इष्ट _____: 06:08:14 घटी
स्थान _____: Ujjain
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 23:11:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 07:58:20 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:14 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:42:31 घंटे
सूर्योदय _____: 05:57:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:07:39 घंटे
दिनमान _____: 13:09:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 16:14:17 कर्क
लग्न के अंश _____: 18:19:33 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: धनिष्ठा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: सौभाग्य
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

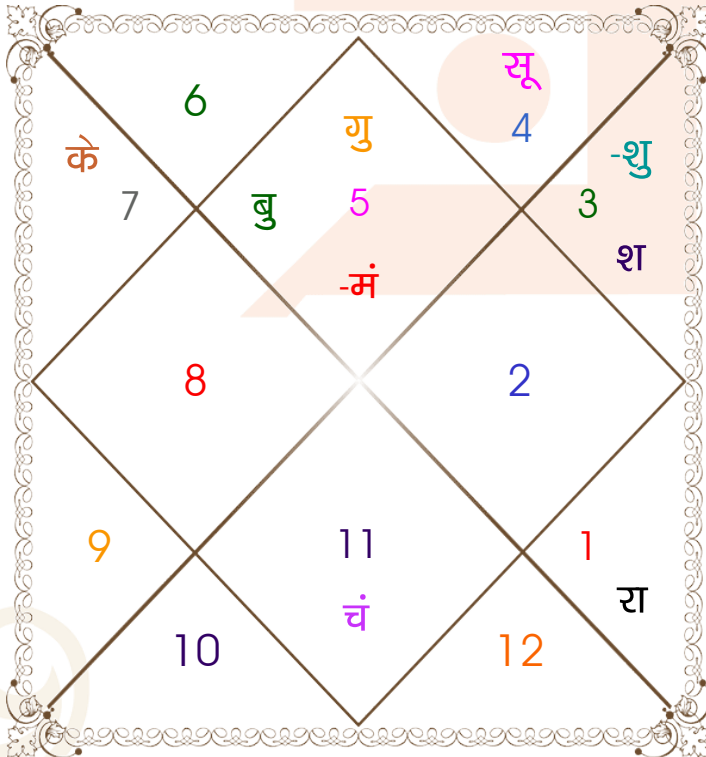
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:19:33	329:01:37	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कर्क	16:14:17	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	05:04:52	14:30:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	00:49:39	00:37:55	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	12:19:14	00:36:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	24:51:23	00:11:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	01:36:30	00:48:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मिथु	26:02:34	00:07:29	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मेष	12:16:26	00:10:10	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	12:16:26	00:10:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	11:52:29	00:02:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:11:03	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:50:09	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	18:12:08	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

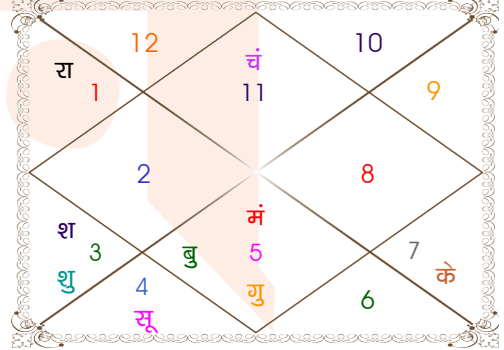
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:07

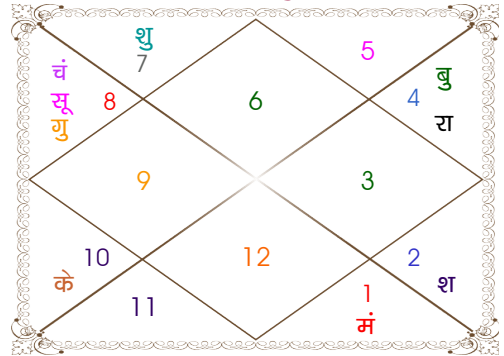
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra

Narsingh Mandir, Sanwer (Dist), Indore

Pandit Pankaj Mandloi Jyotish

9893119214

pandit11317@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 9 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष 02/08/2004 02/06/2005	राहु 18 वर्ष 02/06/2005 02/06/2023	गुरु 16 वर्ष 02/06/2023 02/06/2039	शनि 19 वर्ष 02/06/2039 02/06/2058	बुध 17 वर्ष 02/06/2058 02/06/2075
00/00/0000	राहु 13/02/2008	गुरु 21/07/2025	शनि 05/06/2042	बुध 29/10/2060
00/00/0000	गुरु 09/07/2010	शनि 01/02/2028	बुध 12/02/2045	केतु 26/10/2061
00/00/0000	शनि 15/05/2013	बुध 09/05/2030	केतु 24/03/2046	शुक्र 26/08/2064
00/00/0000	बुध 02/12/2015	केतु 15/04/2031	शुक्र 24/05/2049	सूर्य 02/07/2065
00/00/0000	केतु 20/12/2016	शुक्र 14/12/2033	सूर्य 06/05/2050	चंद्र 02/12/2066
00/00/0000	शुक्र 20/12/2019	सूर्य 02/10/2034	चंद्र 05/12/2051	मंगल 29/11/2067
02/08/2004	सूर्य 13/11/2020	चंद्र 01/02/2036	मंगल 13/01/2053	राहु 17/06/2070
सूर्य 01/11/2004	चंद्र 15/05/2022	मंगल 07/01/2037	राहु 20/11/2055	गुरु 22/09/2072
चंद्र 02/06/2005	मंगल 02/06/2023	राहु 02/06/2039	गुरु 02/06/2058	शनि 02/06/2075

केतु 7 वर्ष 02/06/2075 02/06/2082	शुक्र 20 वर्ष 02/06/2082 03/06/2102	सूर्य 6 वर्ष 03/06/2102 03/06/2108	चंद्र 10 वर्ष 03/06/2108 03/06/2118	मंगल 7 वर्ष 03/06/2118 00/00/0000
केतु 30/10/2075	शुक्र 02/10/2085	सूर्य 21/09/2102	चंद्र 03/04/2109	मंगल 30/10/2118
शुक्र 29/12/2076	सूर्य 02/10/2086	चंद्र 22/03/2103	मंगल 02/11/2109	राहु 18/11/2119
सूर्य 05/05/2077	चंद्र 02/06/2088	मंगल 28/07/2103	राहु 04/05/2111	गुरु 24/10/2120
चंद्र 05/12/2077	मंगल 02/08/2089	राहु 21/06/2104	गुरु 02/09/2112	शनि 02/12/2121
मंगल 03/05/2078	राहु 01/08/2092	गुरु 09/04/2105	शनि 03/04/2114	बुध 30/11/2122
राहु 21/05/2079	गुरु 02/04/2095	शनि 22/03/2106	बुध 03/09/2115	केतु 28/04/2123
गुरु 26/04/2080	शनि 02/06/2098	बुध 27/01/2107	केतु 03/04/2116	शुक्र 27/06/2124
शनि 05/06/2081	बुध 03/04/2101	केतु 03/06/2107	शुक्र 02/12/2117	सूर्य 03/08/2124
बुध 02/06/2082	केतु 03/06/2102	शुक्र 03/06/2108	सूर्य 03/06/2118	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते हैं। उस प्रकार की दिक्कतों का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पत्ति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती हैं।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रयाप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक हैं। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।